विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग अष्टम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:- २१/१०/२०२० (एन.सी.आर.ई.आर.टी.पर आधारित)

पाठ:- दशम: पाठनाम सूक्ति संग्रह:

८. विद्यासमं नास्ति शरीर- भूषणं ।

विद्या के समान शरीर का कोई भी आभूषण नहीं है।

९. विद्वान् सर्वत्र पूज्यते ।

विद्वान सभी जगह पूजे जाते हैं।

१०. श्रद्धावान् लभते ज्ञानम् ।

श्रद्धा वाले व्यक्ति ही ज्ञान पाते हैं।

११.ज्येष्ठो भ्राता पितु : सम:।

बड़े भाई पिता के समान होते हैं

१२.विनाशकाले विपरीतबुद्धि:।

विनाश के समय विपरीत बुद्धि होती है

१३.धर्मकीर्ति द्वयं स्थिरं ।

मनुष्य के यश और धर्म दो ही स्थिर हैं।

१४.विद्या सर्वस्य भूषणम् ।

विद्या सभी मनुष्यों का सर्वश्रेष्ठ आभूषण है।

१५.आचार परमो धर्म:।

चरित्र मनुष्य का सबसे बढकर आभूषण है।